गोरी

डा0 वसीम सिद्दीक़ी
10/8th Road North
Ahmadi - 61008
Kuwait

अज़हर स्टार बाक्स के काउन्टर पर खड़ा था। उस के आगे एक गोरी खड़ी थी। एक हाट चाकलेट और चीज़ केक उसने आर्डर दिया था। यही तो वह भी आर्डर देने वाला था। ये गोरी है और मैं काला लेकिन हम दोनों के ख़्यालात कितने मिलते हैं एक ही जैसा टेस्ट। उसने भी हाट चाकलेट और चीज़ केक लिया और खिड़की के क़रीब वाली मेज़ पर बैठ गया। उसके पास ही दूसरी मेज़ पर गोरी बैठी थी। वोह वहा मेलबर्न में पिछले चार साल से रह रहा था और कामन वेल्थ बैंक में मैनेजर था। इस बीच में बहुत सारी गोरियों से उस का वास्ता पड़ा था। कुछ तो उस में काफी इन्ट्रेस्टेड हो गई थी लेकिन वह किसी की तरफ भी माएल नहीं हुआ। हिन्दुस्तान में भी जब यूनिवर्सिटी में पढ़ता तो उसके क्लास में भी एक दो लड़कियाँ उसे पसंद आई थी लेकिन वह खामोश तबीअत और शर्मीला इंसान था किसी से भी दोस्ती या सिर्फ फिलर्ट नहीं किया। लेकिन उसके ज़हन में हमेशा एक मशरकी लड़की की शबीह रही यही वजह थी कि उसे कभी कोई गोरी नहीं भाई।

वो अभी कुछ दिनों पहले ही हिन्दुस्तान से मेलबर्न लौटा था। हिन्दुस्तान वह इस लिये आया था कि किसी प्यारी सी लड़की से उसकी शादी हो जाये एक आध घरों में उस का रिश्ता गया लेकिन इनकार वजह ये थी कि लड़का सालों से बाहर रह रहा है चाल चलन का क्या भरोसा पता नहीं कहीं पहले ही से शादी ब्याह करे हो। क्यों कि इधर इस तरह के वाक़यात हुये थे कि लड़के अमेरीका, कनेडा, आस्ट्रेलिया पढ़ने जाते हैं और फिर वहीं सेटेल होना चाहते हैं। और उसके लिये उन्हे सबसे आसान तरीक़ा यही नज़र आता है कि गोरी से शादी कर ली जाये उससे उन्हे उन मुल्कों की शहरियत मिलने में आसानी हो जाती है। हांलाकि हिन्दुस्तान में पहले ही से उनकी शादी खालाजाद, चचाजाद वगैरा से तै रहती थी। नतीजा में शादी से इन्कार या फिर धोका देकर शादी करली लेकिन फिर लड़की को बाहर नहीं ले जा सके। अजीब पेचीदा मसाइल पैदा हो जाते हैं। इस लिये अक्सर खानदान अपनी लड़कियों की बाहर शादी करने में बहुत एहतियात से काम लेते हैं। अज़हर के साथ भी यही मसअला रहा बेचारा सीधा सादा ज़हीन लड़का। अच्छी शक्लो सूरत और कैरियर के होते हुये भी शादी के बाज़ार में रिजेक्ट हो गया। वह मेलबर्न काफी डिपरेस लौटा था। सोच रहा था कि अब क्या किया जाये। हाट चाकलेट की गहरा सिप लेकर नज़रें उठायें तो उसने गोरी को अपनी तरफ़ देखते हुये पाया। लड़की ने उसे हाई कहा था। उसने भी उसे हाय कहाँ। आप की शक्ल जानी पहचानी लगती है लड़की उस से कह रही थी। आप मेरी टेबल पर आ सकती हैं वरना हम लोगों को चिल्ला चिल्ला कर बात करना पड़ेगी वह हंसा था लड़की भी हंस दी। फिर वोह अपनी हाट चाकलेट और चीज़ केक की ट्रे लेकर उसकी टेबल पर आकर बैठ गई थी। अरे आप भी चीज़ केक खा रहे हैं गोरी ने उससे पूछा था। जी हाँ आप की तरह मुझे भी चीज केक अच्छा लगता है उसने गोरी को प्लेट की तरफ़ देखते हुये कहा था। मेरा नाम लिज़ा है उसने अपना तआरूफ कराया

था। मुझे अज़हर कहते हैं। आप इन्डियन हैं। जी हाँ, आप कह रही थीं कि आपने मुझे कहीं देखा है। लेकिन आप का चेहरा मेरे लिये बहुत अजनबी है। जी हाँ याद आ गया आप कामन वेल्थ बैंक में शायद काम करते हैं। मैं वहाँ कार के लोन के लिये गई थी और आप शायद किसी Client से कोई बात कह रहे थे। मैं ने आप की तरफ़ कई बार देखा था इस लिये शायद आज पहचान गई। ज़ाहिर है आप ने एक बार भी मेरी तरफ़ नहीं देखा था तो आप कैसे मुझे पहचान पाते। आप ने मुझे कई बार क्यो देखा अज़हर ने डारेक्ट सवाल कर दिया था। लड़की कुछ गढ़बड़ाई फिर बोली आप की खड़ी नाक और शार्प फीचर्स ने मुझे बार बार आप की तरफ देखने के लिये मजबूर कर दिया था। मैं भी अगर आप को एक बार देखता तो बार बार देखता अज़हर ने कहा था फिर हंस दिया था। वोह भी हंसी थी और बड़ी देर तक हंसती रहीं। फिर बोली आप मुझे बार बार क्यो देखते। इसलिये कि आप के बाल काले और लम्बे हैं और आप की आखें सुरमई हैं। मैं कुछ समझी नहीं वह बोली थी मैं उस से ज़्यादा आप को नहीं समझ सकता उसने जवाब दिया था। फिर हंस दिया वोह भी हंस रही थी। अज़हर सोचने लगा मेरी तरह ये भी बार बार क्यों हंस रही है। बक़ौल शायर क्या ग़म है जो छिपा रही है और उसने ये सवाल दाग ही दिया। वोह अब खामोशी होकर उसकी तरफ देखने लगी थी। फिर बोली आप बहुत ख़तरनाक होते जा रहे हैं मुझे नहीं मालूम You can read the mind हाँ मुझे एक हिन्दुस्तानी ने धोका दिया है। कैसा धोका अज़हर ने उस से पूछा था। उसने मुझ से शादी करी थी। और पता चला वापस इन्डिया में भी उसकी एक बीवी है। वह अब भी तुम्हारा शौहर है। नहीं में ने Divorce ले लिया। तो अब क्या प्लान है। कभी किसी इन्डियन से अब शादी नहीं करूंगी। दोनों की हाट चाकलेट अब ख़त्म हो गई थी। अब चलना चाहिये वोह बोली थी फिर अपना पर्स उठाकर खड़ी हो गई। बाई उसने कहा था और कुछ बोझल क़दमों से वहाँ से जाने लगी। सुनो लीज़ा, अज़हर ने उसे पुकारा था। लीज़ा ठिठक कर रूक गई थी और अज़हर की तरफ़ मुड़कर देखने लगी। अज़हर देर तक उसको देखना रहा, फिर बहुत संजीदगी से उस से बोला।

मुझ से शादी करोगी।?

वोह अज़हर की तरफ़ मुड़ी थी और उसके आखों में देर तक झांकती रही फिर धीरे से बोली हाँ।

अज़हर सोच रहा था कि गोरी चिट्टी बहू लाने की उसकी माँ के ख़्वाहिश तो पूरी हो जायेगी लेकिन ये अमा से उर्दू कैसे बोलेगी।

★★★